विज्ञान पाठ्यक्रम के दोष (Defects in Science Curriculum) :-

पाठ्यक्रम का संकुचित दृष्टिकोण होना.

Science Curriculum is narrowly-conceived

पाठ्यक्रम द्वारा दी जानेवाली शिक्षा एक सीमित दायरे में दी जाती है। इससे सिर्फ शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति होती है। पाठ्यक्रम द्वारा विस्तृत अर्थों में शिक्षा देना कठिन है। विज्ञान का क्षेत्र वृहद है, इसे पाठ्यक्रम के सीमा में बांधना सही नहीं है। पाठ्यक्रम एक विधि है शिक्षा का अंत नहीं। प्रायः यह देखा गया है कि पाठ्यक्रम द्वारा दी जानेवाली शिक्षा का सम्बन्ध बालकों के दैनिक जीवन से नहीं रहता है। अतः इस प्रकार की शिक्षा का अधिक महत्व नहीं रह जाता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि विज्ञान पाठ्यक्रम शिक्षा एक संकुचित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

पाठ्यक्रम समान तथा स्थिर है (Curriculum is Rigid and Uniform) -

जीव और पर्यावरण एक दूसरे का पूरक है। जीव विज्ञान का ज्ञान पर्यावरण में ही संभव है, किन्तु पाठ्यक्रम में इसको अधिक अधिक महत्व नहीं दिया गया है। उदाहरण-स्वरूप बीज से पौधे बनने तक की प्रक्रिया का अध्ययन एक खास वातावरण में सही ढ़ंग से की जा सकती है न की पाठ्यक्रम द्वारा कक्षा-कक्ष में। अतः पाठ्यक्रम तैयार करने में भिन्न-भिन्न वातावरणों को सही ढ़ंग

Scanned with CamScanner

से ध्यान में नहीं रखा गया। दूसरी ओर ग्रामीण तथा शहरी छात्र/छात्राओं का वातावरण भिन्न-भिन्न है, किन्तु दोनों के लिए समान पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जिसे उन्हें अध्ययन करना पड़ता है। पाठ्यक्रम में पाठ्य-वस्तु निर्धारित रहती है तथा छात्र को इसी का अध्ययन करना पड़ता है। इससे अधिक का ज्ञान उसे नहीं दिया जाता है।

पाठ्यक्रम में छात्रों की वैज्ञानिक अभिवृत्ति तथा चातुर्य के विकास का अभाव (No provision for the development of scientific attitudes and skills)

विज्ञान शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए छात्रों को इस योग्य बनाना कि प्रायोगिक दक्षता आ सके। विज्ञान करके ज्ञान-प्राप्ति का विषय है, किन्तु छात्र विज्ञान-शिक्षण द्वारा केवल ज्ञान प्राप्त करते हैं न कि ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया द्वारा। विज्ञान शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रोजेक्ट अथवा प्रयोगशाला कार्य पर आधारित होना चाहिए जिससे छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न हो सके, किन्तु पाठ्यक्रम द्वारा ऐसा संभव नहीं है।

Scanned with CamScanner